

कथनी-करनी में एकता : प्रवीण जैन की विशेषता

पत्रकार भवन में श्रद्धांजलि सभा ने स्व. प्रवीण के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला



पत्रकारिता का संत किया गया निरूपित उठी प्रतिमा स्थापित कराए जाने की मांग



झांसी (विश्व परिवार)। श्री गणेश शंकर विद्यार्थी पत्रकारिता उन्नयन समिति के तत्वाधान में आज पत्रकार भवन में दैनिक विश्व परिवार के संपादक कीर्ति शेष स्वर्गीय श्री प्रवीण कुमार जैन के आसमायिक निधन पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। श्रद्धांजलि सभा की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार व समिति के कार्यकारी अध्यक्ष मोहन नेपाली ने की। इस दौरान उन्होंने कहा कि स्व. प्रवीण जी के अधूरे सपनों को पूरा करना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने स्वर्गीय श्री प्रवीण जैन को पत्रकारिता का संत बताया। दैनिक जागरण के संपादक सुरेंद्र

सिंह ने कहा कि स्व. श्री प्रवीण जैन ने पत्रकारिता के साथ-साथ सामाजिक जीवन में कई ऐसे कार्य किये, जो अनुकरणीय हैं। व्यस्त जीवन में समाज के लिए समय निकालना स्वर्गीय श्री प्रवीण जी से सीखने योग्य गुण हैं। उन्होंने कहा कि हमारा मानना है कि पत्रकार सामाजिक नहीं हो सकता, क्योंकि यदि वह समाज में घुल मिल जाता है तो उसके द्वारा लिखी गई खबरों की निष्पक्षता पर सवाल खड़े होने लगते हैं, लेकिन इस सबके बाद भी स्वर्गीय श्री प्रवीण जैन ने इस मिथ्या को तोड़ते हुए नए आयाम पत्रकारिता के क्षेत्र में स्थापित किये, जो निश्चित रूप से उन्हें

पत्रकारिता के भविष्य में हमेशा जीवंत रखेंगे। वरिष्ठ पत्रकार शीतल तिवारी ने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए सुझाव दिया कि इलाइट चौराहे पर स्थित श्री गणेश शंकर विद्यार्थी पार्क में स्वर्गीय श्री प्रवीण जैन की प्रतिमा स्थापित की जानी चाहिए। उन्होंने इसके लिए सभी पत्रकारों से पहल करने की अपील की। जिला अधिवक्ता संघ के पूर्व सचिव प्रणय श्रीवास्तव ने कहा कि स्व. प्रवीण जी की भाषा शैली में ही एक स्वस्थ, निष्पक्ष, सहज पत्रकारिता की झलक स्पष्ट दिखाई देती थी। राजकीय इंटर कॉलेज के उप प्रधानाचार्य आलोक शाहिल्य ने

कहा कि स्वर्गीय श्री प्रवीण जैन बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे। वरिष्ठ पत्रकार सुदर्शन शिवहरे ने कहा कि प्रवीण जी संस्थाओं के प्रति ईमानदारी से समर्पित रहे। जैन साधुओं की सेवा में तन मन धन से लगे रहते थे। जैन समाज के राष्ट्रीय पदाधिकारी होने के बाद भी उन्होंने हर धर्म और मजहब के प्रति अपनी आस्था व सम्मान को कम नहीं होने दिया। राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शिक्षिका व समाजसेविका डॉ. नीति शास्त्री ने कहा कि जियो और जीने दो को आधार मानकर स्वर्गीय प्रवीण भाई ने अपना जीवन जीया। उन्होंने इस सिद्धांत को यथार्थ के धरातल पर प्रतिपादित करके भी

दिखाया। जरूरतमंदों की मदद कर दिलों में जगह बनाई और अपनी सहजता सरलता विनम्रता के माध्यम से न केवल जैन समाज, बल्कि संपूर्ण समाज में एक अपनी अमिट छाप छोड़ी। उन्होंने कहा- **कथनी करनी में एकता : प्रवीण जैन की विशेषता।** स्वर्गीय श्री प्रवीण कुमार जैन के बड़े भाई तथा प्रेस कार्डिसल आफ इंडिया के पूर्व सदस्य प्रदीप जैन ने कहा कि उनके अनुज प्रवीण सदैव अन्याय के खिलाफ निर्भीकता से लड़ते रहे। उन्होंने जुझारूपन से जीवन जिया। उनके अधूरे कार्यों को पूर्ण करना अब हम सबका दायित्व है। आईआईएम दिल्ली से

पत्रकारिता में डिग्री प्राप्त करने के बाद उन्होंने न केवल पत्रकारिता के क्षेत्र में, बल्कि समाज सेवा के क्षेत्र में भी नए आयाम स्थापित किये। श्रद्धांजलि सभा में वरिष्ठ समाजसेवी तथा संघर्ष सेवा समिति के अध्यक्ष डॉ. संदीप सरावगी, शहर काजी मोहम्मद हाशिम, श्रीमती नील मधु श्रीवास्तव, डॉ. मनमोहन मनु, सुरेश चंद्र तिवारी, बृजेंद्र केसरिया, केशव सिंह शिवहरे, सीताराम चौरसिया, हरिश कुमार वोरू, रविंद्र सिंह गौर, संतोष कुमार श्रृंगीच्छी, रामकुमार खरे एडवोकेट, अर्नजय नेपाली, सावन जैन, दीप चंद्र चौबे, मोहम्मद इदरीश खान, उमाशंकर श्रीवास्तव,

अनुराग जैन, गौरव तिवारी, अखिलेश सिंह यादव, सर्वेश सक्सेना, मनीष कश्यप, श्रीमती अलका चौबे, आसिफ, शुभम जैन, आलोक श्रीवास्तव, मुकेश त्रिपाठी, रामगोपाल शर्मा, नवल किशोर शर्मा, रोहित, रमेश चंद्र जैन, डॉक्टर सचिन जैन, संजय जैन, डॉक्टर सुनील तिवारी, पूर्व पार्षद राजेश जैन, अशोक नायक, मुकेश सिंघल एडवोकेट, आदित्य नारायण दुबे, अजय भारद्वाज, संदीप नामदेव, अनिल जैन, रविंद्र पचौरी, शिखर चंद्र जैन, दिनेश भागवत, हरि कृष्ण चतुर्वेदी, रंगकर्मी आरिफ शहडौली, श्याम शरण नायक एडवोकेट, बंटी कश्यप, सुरेंद्र

सक्सेना, सूरज सिंह यादव, मोहम्मद फारुक खान, अतुल सिंह, शीतल तिवारी, शैलेंद्र सिंह गौर, धीरेंद्र यादव, आर के साहनी, राजेश चौरसिया, निर्मल कुमार जैन, आरिफ खान, भगवानदास पहलवान, दीपक चंदेल, साजिया खान आदि मौजूद रहे। इस दौरान सुभाष जैन, अपूर्व जैन, स्वर्गीय श्री प्रवीण कुमार जैन के चाचा डॉक्टर जिनेंद्र जैन, छोटे भाई आलोक जैन, दोनों सुपुत्र डॉ. यश जैन, अतिशय जैन, डॉक्टर जयेश जैन, प्रसंग जैन आदि पारिवारिक सदस्य मुख्य रूप से मौजूद रहे। श्रद्धांजलि सभा का संचालन वरिष्ठ अधिवक्ता मदन बबेले तथा पंकज सक्सेना ने संयुक्त रूप से किया। इसके पूर्व सभी ने स्वर्गीय श्री प्रवीण कुमार जैन के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। सिख धर्म गुरु ज्ञानी महेंद्र सिंह रंधावा, हिंदू धर्म गुरु आचार्य हरिओम पाठक, मुस्लिम इमाम इंदगाह मुफती मोहम्मद साबिर ने दैनिक विश्व परिवार के प्रधान संपादक प्रवीण कुमार जैन को एक सच्चा इंसान बताते हुए उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की।

